C.B.S.E

विषय : हिन्दी 'ब'

कक्षा : 9

निर्धारित समय : 3 घंटे **अधिकतम अंक : 80**

सामान्य निर्देश:

1. इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं - क,ख,ग,और घ।
2. चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3. यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमश: दीजिए।
4. एक अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 15-20 शब्दों में लिखिए।
5. दो अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए।
6. तीन अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए।
7. पाँच अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 120-150 शब्दों में लिखिए।

खंड - क

[अपठित अंश]

प्र. 1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए: [10]

महात्मा गांधी ने कोई 12 साल पहले कहा था- मैं बुराई करने वालों को सजा देने का उपाय ढूँढने लगूँ तो मेरा काम होगा उनसे प्यार करना और धैर्य तथा नम्रता के साथ उन्हें समझाकर सही रास्ते पर ले आना। इसलिए असहयोग या सत्याग्रह घृणा का गीत नहीं है। असहयोग का मतलब बुराई करने वाले से नहीं, बल्कि बुराई से असहयोग करना है।

आपके असहयोग का उद्धेश्य बुराई को बढ़ावा देना नहीं है। अगर दुनिया बुराई को बढ़ावा देना बंद कर दे तो बुराई अपने लिए आवश्यक पोषण के अभाव में अपने-आप मर जाए। अगर हम यह देखने की कोशिश करें कि आज समाज

में जो बुराई है, उसके लिए खुद हम कितने जिम्मेदार हैं तो हम देखेंगे कि समाज से बुराई कितनी जल्दी दूर हो जाती है। लेकिन हम प्रेम की एक झूठी भावना में पड़कर इसे सहन करते हैं। मैं उस प्रेम की बात नहीं करता, जिसे पिता अपने गलत रास्ते पर चल रहे पुत्र पर मोहांध होकर बरसाता चला जाता है, उसकी पीठ थपथपाता है; और न मैं उस पुत्र की बात कर रहा हूँ जो झूठी पितृ-भक्ति के कारण अपने पिता के दोषों को सहन करता है। मैं उस प्रेम की चर्चा नहीं कर रहा हूँ। मैं तो उस प्रेम की बात कर रहा हूँ, जो विवेक युक्त है और जो बुद्धियुक्त है और जो एक भी गलती की ओर से आँख बंद नहीं करता है। यह सुधारने वाला प्रेम है।

1. गांधीजी बुराई करने वालों को किस प्रकार सुधारना चाहते हैं?
2. बुराई को कैसे समाप्त किया जा सकता है?
3. 'प्रेम' के बारे में गांधीजी के विचार स्पष्ट कीजिए।
4. असहयोग से क्या तात्पर्य है?
5. उपर्युक्त गद्यांश में हमें कौन-सी शिक्षा मिलती है?
6. उपर्युक्त गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक दीजिए।

खंड - ख

[व्यावहारिक व्याकरण]

प्र. 2. निम्नलिखित शब्दों का वर्ण विच्छेद कीजिए : [3]

- शिक्षा
- चिह्न
- अनुमान

प्र. 3. क) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थानों पर चंद्रबिंदु का प्रयोग कीजिए: [3]

- बूद
- टाग

ख) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थानों पर नुक्ते का प्रयोग कीजिए:

- फन
- गालिब

ग) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थानों पर बिंदु का प्रयोग कीजिए :

- गन्गा
- चन्चल

प्र. 4. क) निम्नलिखित शब्दों में उचित प्रत्यय पहचानिए: [3]

- पालना
- झूला

ख) निम्नलिखित शब्दों में उचित उपसर्ग पहचानिए:

- परिणाम
- प्रबल

ग) निम्नलिखित शब्दों में मूल शब्द और उपसर्ग को अलग कीजिए:

- बेरहम
- परिमार्जन

प्र. 5. निम्नलिखित वाक्यों में उचित विराम चिह्न का प्रयोग करें: [3]

1. हाँ तुम ऐसा कह सकते हो
2. हाय बेचारा व्यर्थ में मारा गया
3. तुम यहाँ क्यों आये

प्र. 6. निम्नलिखित शब्दों के सही संधि-विच्छेद कीजिए: [4]

- रविन्द्र
- भारतेन्दु
- धनैषणा
- अन्वय

खंड - ग

[पाठ्य पुस्तक एवं पूरक पाठ्य पुस्तक]

प्र. 7. (अ) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए: [2+2+2=6]

1. पहाड़ लुप्त कर देने वाले कीचड़ की क्या विशेषता है?
2. कौन-सा कार्य देश की स्वाधीनता के विरूद्ध समझा जाएगा?
3. लेखिका ने शेरपा कुली को अपना परिचय किस तरह दिया?
4. लेखक भगवाना की माँ की सहायता करना चाहते हुए भी क्यों न कर पाया?

प्र. 7. (ब) निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दें। [5]

1. महात्मा गाँधी के धर्म-संबंधी विचारों पर प्रकाश डालिए।
2. घर की स्वीटनेस से क्या आशय है? घर की स्वीटनेस कब समाप्त हो जाती है?

प्र. 8. (अ). निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर दीजिए। [2+2+2=6]

1. 'वसंत का गया पतझड़' और 'बैसाख का गया भादों को लौटा' से क्या अभिप्राय है?
2. 'माँग मत', 'कर शपथ', 'लथपथ' इन शब्दों का बार-बार प्रयोग कर कवि क्या कहना चाहता है?
3. बीमार बच्ची ने क्या इच्छा प्रकट की?
4. पगड़ी उतारने का क्या आशय है? स्पष्ट कीजिए।

प्र.8. (ब) निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए। [5]

1. 'मोती, मानुष, चून' के संदर्भ में पानी के महत्त्व को स्पष्ट कीजिए।
2. 'खुशबू रचते हैं हाथ' कविता द्वारा कवि समाज की किस समस्या की ओर ध्यान आकर्षित करना चाहता है?

प्र. 9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दें। [6]

1. कुएँ में उतरकर चिट्ठियों को निकालने संबंधी साहसिक वर्णन लिखिए।
2. लेखिका ने घायल गिल्लू को जीवनदान किस प्रकार दिया?

खंड - घ

[लेखन]

प्र. 10. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 80 से 100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए। [6]

- 'करत करत अभ्यास के, जड़मति होत सुजान।'
- समुद्र तट की सैर

प्र. 11. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 80-100 शब्दों में पत्र लेखन कीजिए। [5]

1. आप अपने घर से दूर में रहने आए है, अपनी माता को पत्र लिखकर छात्रावास के आपके अनुभव के बारे में लिखिए।
2. आपकी कॉलोनी में कुछ असामाजिक तत्त्व (Antisocial elements) आकर बस गए हैं। उनकी गुंडागर्दी बढ़ने के कारण नागरिकों का जीवन कठिन हो गया। अपने शहर के पुलिस कमिश्नर को पत्र लिखकर उनकी शिकायत कीजिए तथा सुव्यवस्था के लिए शीघ्र कदम उठाए जाने की प्रार्थना कीजिए।

प्र. 12. निम्नलिखित चित्रों में से किसी एक चित्र का वर्णन 40 से 50 शब्दों में करें। [5]

1.

2.

प्र. 13. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 50-60 शब्दों में संवाद लिखें। [5]

1. फूल बेचनेवाला और एक बूढे व्यक्ति के बीच हो रहा संवाद लिखिए।
2. पिता और पुत्र के बीच वार्तालाप को लिखिए।

प्र. 14. निम्नलिखित विज्ञापनों में से किसी एक विज्ञापन का आलेख 50 शब्दों में तैयार कीजिए। [5]

1. स्थानीय हिन्दी मासिक पत्रिका के विज्ञापन का प्रारुप (नमूना) तैयार कीजिए :
2. घी के विज्ञापन का प्रारुप (नमूना) तैयार कीजिए:

C.B.S.E

विषय : हिन्दी 'ब'

कक्षा : 9

निर्धारित समय : 3 घंटे **अधिकतम अंक : 80**

सामान्य निर्देश:

1. इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं - क,ख,ग,और घ।
2. चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3. यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमश: दीजिए।
4. एक अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 15-20 शब्दों में लिखिए।
5. दो अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए।
6. तीन अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए।
7. पाँच अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 120-150 शब्दों में लिखिए।

खंड - क

[अपठित अंश]

प्र. 1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए: [10]

महात्मा गांधी ने कोई 12 साल पहले कहा था- मैं बुराई करने वालों को सजा देने का उपाय ढूँढने लगूँ तो मेरा काम होगा उनसे प्यार करना और धैर्य तथा नम्रता के साथ उन्हें समझाकर सही रास्ते पर ले आना। इसलिए असहयोग या सत्याग्रह घृणा का गीत नहीं है। असहयोग का मतलब बुराई करने वाले से नहीं, बल्कि बुराई से असहयोग करना है।

आपके असहयोग का उद्धेश्य बुराई को बढ़ावा देना नहीं है। अगर दुनिया बुराई को बढ़ावा देना बंद कर दे तो बुराई अपने लिए आवश्यक पोषण के अभाव में अपने-आप मर जाए। अगर हम यह देखने की कोशिश करें कि आज समाज

में जो बुराई है, उसके लिए खुद हम कितने जिम्मेदार हैं तो हम देखेंगे कि समाज से बुराई कितनी जल्दी दूर हो जाती है। लेकिन हम प्रेम की एक झूठी भावना में पड़कर इसे सहन करते हैं। मैं उस प्रेम की बात नहीं करता, जिसे पिता अपने गलत रास्ते पर चल रहे पुत्र पर मोहांध होकर बरसाता चला जाता है, उसकी पीठ थपथपाता है; और न मैं उस पुत्र की बात कर रहा हूँ जो झूठी पितृ-भक्ति के कारण अपने पिता के दोषों को सहन करता है। मैं उस प्रेम की चर्चा नहीं कर रहा हूँ। मैं तो उस प्रेम की बात कर रहा हूँ, जो विवेक युक्त है और जो बुद्धियुक्त है और जो एक भी गलती की ओर से आँख बंद नहीं करता है। यह सुधारने वाला प्रेम है।

1. गांधीजी बुराई करने वालों को किस प्रकार सुधारना चाहते हैं?

   उत्तर : गांधीजी बुराई करने वालों को प्रेम, धैर्य तथा नम्रता के साथ समझाकर सुधारना चाहते हैं।

2. बुराई को कैसे समाप्त किया जा सकता है?

   उत्तर : यदि हम बुराई को बढ़ावा देना बंद कर देंगे तो बुराई स्वयं समाप्त हो जाएगी।

3. 'प्रेम' के बारे में गांधीजी के विचार स्पष्ट कीजिए।

   उत्तर : गांधीजी के अनुसार प्रेम का अर्थ मोह में अंधा होकर अपने प्रिय की गलतियों का समर्थन करना या बढ़ावा देना नहीं है। बल्कि उनके अनुसार उन गलतियों को सुधारना ही सही अर्थों में प्रेम की परिभाषा है।

4. असहयोग से क्या तात्पर्य है?

   उत्तर : असहयोग का मतलब बुरा करने वाले से नहीं, बल्कि बुराई से असहयोग करना है। अर्थात् बुराई का त्याग करना ही असहयोग है।

5. उपर्युक्त गद्यांश में हमें कौन-सी शिक्षा मिलती है?

उत्तर : उपर्युक्त गद्यांश से हमें प्रेम, धैर्य और नम्रता की शिक्षा मिलती है।

6. उपर्युक्त गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक दीजिए।

उत्तर : उपर्युक्त गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक 'प्रेम और अहिंसा' है।

खंड – ख

[व्यावहारिक व्याकरण]

प्र. 2. निम्नलिखित शब्दों का वर्ण विच्छेद कीजिए : [3]

- शिक्षा - श् + इ + क् + ष् + आ
- चिह्न - च् + इ + ह् + न् + अ
- अनुमान - अ + न् + उ + म् + आ + न् + अ

प्र. 3. क) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थानों पर चंद्रबिंदु का प्रयोग कीजिए: [3]

- बूद - बूँद
- टाग - टाँग

ख) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थानों पर नुक्ते का प्रयोग कीजिए:

- फन - फ़न
- गालिब - ग़ालिब

ग) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थानों पर बिंदु का प्रयोग कीजिए :

- गन्गा - गंगा
- चन्चल - चंचल

प्र. 4. क) निम्नलिखित शब्दों में उचित प्रत्यय पहचानिए: [3]

- पालना - ना
- झूला - आ

ख) निम्नलिखित शब्दों में उचित उपसर्ग पहचानिए:

- परिणाम - परि
- प्रबल - प्र

ग) निम्नलिखित शब्दों में मूल शब्द और उपसर्ग को अलग कीजिए:

- बेरहम - बे + रहम
- परिमार्जन - परि + मार्जन

प्र. 5. निम्नलिखित वाक्यों में उचित विराम चिह्न का प्रयोग करें: [3]

1. हाँ तुम ऐसा कह सकते हो

   उत्तर : हाँ, तुम ऐसा कह सकते हो।

2. हाय बेचारा व्यर्थ में मारा गया

   उत्तर : हाय! बेचारा व्यर्थ में मारा गया।

3. तुम यहाँ क्यों आये

   उत्तर : तुम य़हॉ क्यों आये?

प्र. 6. निम्नलिखित शब्दों के सही संधि-विच्छेद कीजिए: [4]

- रविन्द्र = रवि + इंद्र
- भारतेन्दु = भारत + इंदु
- धनैषणा = धन + एषणा
- अन्वय = अनु + अय

खंड - ग

[पाठ्य पुस्तक एवं पूरक पाठ्य पुस्तक]

प्र. 7. (अ) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए: [2+2+2=6]

1. पहाड़ लुप्त कर देने वाले कीचड़ की क्या विशेषता है?

   उत्तर : पहाड़ लुप्त कर देने वाले कीचड़ की विशेषता है कि बहुत अधिक कीचड़ का होना। यह कीचड़ जमीन के नीचे बहुत गहराई तक होता है। ऐसा कीचड़ गंगा नदी के किनारे खंभात की खाड़ी सिंधु के किनारे पर होता है।

2. कौन-सा कार्य देश की स्वाधीनता के विरूद्ध समझा जाएगा?

   उत्तर : हमारा देश स्वाधीन है। इसमें अपने-अपने धर्म को अपने ढंग से मनाने की पूरी स्वतंत्रता है। यदि कोई इसमें रोड़ा बनता है या धर्म की आड़ लेकर अपना स्वार्थ सिद्ध करने की कोशिश करते हैं तो वह कार्य देश की स्वाधीनता के विरूद्ध समझा जाएगा।

3. लेखिका ने शेरपा कुली को अपना परिचय किस तरह दिया?

   उत्तर : लेखिका ने शेरपा कुली को अपना परिचय यह कह कर दिया कि वह बिल्कुल ही नौसिखिया है और एवरेस्ट उसका पहला अभियान है।

4. लेखक भगवाना की माँ की सहायता करना चाहते हुए भी क्यों न कर पाया?

   उत्तर : लेखक भगवाना की माँ की सहायता करना चाहता था परंतु बीच में उनकी पोशाक आड़े आ गई। वे भगवाना की माँ का दुःख-दर्द दूर करने के बारे में सोचते तो हैं परंतु सामाजिक

डर के कारण कर नहीं पाते। लेखक सोचने लगते हैं कि यदि वे भगवाना की माँ की मदद करते हैं तो न जाने समाज उनके साथ कैसा बर्ताव करें। इस प्रकार पोशाक की अड़चन और सामाजिक डर के कारण लेखक भगवाना की माँ की मदद नहीं कर पाए।

प्र. 7. (ब) निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दें। [5]

1. महात्मा गाँधी के धर्म-संबंधी विचारों पर प्रकाश डालिए।

उत्तर : महात्मा गाँधी अपने जीवन में धर्म को सर्वोच्च स्थान देते थे। धर्म के बिना वे एक कदम भी चलने को तैयार नहीं थे। वे सर्वत्र धर्म का पालन करते थे। उनके धर्म के स्वरूप को समझना आवश्यक है। धर्म से महात्मा गांधी का मतलब, धर्म ऊँचे और उदार तत्वों का ही हुआ करता है। वे धर्म की कट्टरता के विरोधी थे। प्रत्येक व्यक्ति का यह कर्तव्य है कि वह धर्म के स्वरूप को भलि-भाँति समझ ले। वे सत्य और अहिंसा को ही परम धर्म मानते थे।

2. घर की स्वीटनेस से क्या आशय है? घर की स्वीटनेस कब समाप्त हो जाती है?

उत्तर : घर की स्वीटनेस से आशय घर की पारिवारिक मिठास कम होने से है। हर व्यक्ति अपने घर में सुख-शांति बनाए रखना चाहता है। अपने घर को स्वीट होम बनाए रखना चाहता है परन्तु अनचाहा अतिथि आकर उसकी इस मिठास को खत्म कर देता है। असुविधाएँ उत्पन्न हो जाती हैं। उनका आचरण दूसरों के जीवन को उथल-पुथल कर देता है। यह दूसरों के घर

की सरसता कम करने का कारण बन जाते हैं। इस तरह अनचाहा अतिथि घर की स्वीटनेस को समाप्त कर देता है।

प्र. 8. (अ). निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर दीजिए। [2+2+2=6]

1. 'वसंत का गया पतझड़' और 'बैसाख का गया भादों को लौटा' से क्या अभिप्राय है?

   उत्तर : 'वसंत का गया पतझड़' और 'बैसाख का गया भादों को लौटा' से अभिप्राय ऋतु परिवर्तन और एक लंबे अंतराल से है। जिस प्रकार एक ऋतु और दूसरी ऋतु के बदलने में काफ़ी समय लगता है ठीक उसी प्रकार कवि भी काफ़ी समय बाद अपने घर लौटे हैं। अतः उन्हें अपने घर को ढूँढने में मुश्किल हो रही है।

2. 'माँग मत', 'कर शपथ', 'लथपथ' इन शब्दों का बार-बार प्रयोग कर कवि क्या कहना चाहता है?

   उत्तर : 'माँग मत', 'कर शपथ', 'लथपथ' इन शब्दों का बार-बार प्रयोग कर कवि यही कहना चाहता है कि मनुष्य को अपनी लक्ष्य प्राप्ति के लिए किसी भी प्रकार की अनपेक्षित चुनौतियों के लिए तैयार रहना चाहिए। उसे इस मार्ग में बिना किसी सहारे, सुखों की अभिलाषा और हर परिस्थिति का सामना करते हुए अपने लक्ष्य पर ही ध्यान केन्द्रित करना चाहिए।

3. बीमार बच्ची ने क्या इच्छा प्रकट की?

   उत्तर : बीमार बच्ची जो कि तेज ज्वर से ग्रसित थी। उसने अपने पिता के सामने देवी के चरणों का फूल-रूपी प्रसाद पाने की

इच्छा प्रकट की। इस इच्छा का कारण संभवत यह था कि उसे लगा कि देवी का प्रसाद पाकर वह ठीक हो जाएगी।

4. पगड़ी उतारने का क्या आशय है? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : पगड़ी उतारने से आशय किसी को सबके सामने अपमानित करने से है। कवि कहते हैं कि इस संसार में तरह-तरह के व्यक्ति होते हैं कुछ अच्छे तो कुछ बुरे। जो अच्छे होते हैं उनकी अच्छाईयों को कोई सीमा नहीं होती परंतु दूसरी ओर बुरे लोगों को बुराईयों की भी कोई सीमा नहीं होती है। ऐसे बुरे व्यक्ति, दूसरे व्यक्ति की पगड़ी उछालने से भी नहीं हिचकिचाते हैं।

प्र.8. (ब) निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए। [5]

1. 'मोती, मानुष, चून' के संदर्भ में पानी के महत्त्व को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : 'मोती, मानुष, चून' के संदर्भ में पानी का महत्त्व यह है कि मोती को उसकी चमक पानी से ही प्राप्त होती है। मनुष्य के संदर्भ में पानी का अर्थ उसके मान-सम्मान से है और आटे के संदर्भ में उसे गूंथने और खाने योग्य बनाने से है। इस तरह तीनों का ही पानी के बिना महत्त्व कम हो जाता है।

2. 'खुशबू रचते हैं हाथ' कविता द्वारा कवि समाज की किस समस्या की ओर ध्यान आकर्षित करना चाहता है?

उत्तर : 'खुशबू रचते हैं हाथ' कविता द्वारा कवि समाज के उपेक्षित मजदूर वर्ग की दयनीय दशा की ओर ध्यान आकर्षित करना चाहता है। कवि के अनुसार ये कैसी विडंबना है, जो वर्ग समाज के सौंदर्य में वृद्धि करता है, वही वर्ग स्वयं अभावों,

बदहाली और गरीबी में अपना जीवन व्यतीत कर रहा है। उनकी इस दयनीय दशा को सुधारने का प्रयत्न क्यों नहीं किया जा रहा है। कवि चाहता है कि समाज का ध्यान इस उपेक्षित वर्ग की तरफ जाय और उनकी आर्थिक, सामजिक स्थिति में परिवर्तन आए।

प्र. 9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दें। [6]

1. कुएँ में उतरकर चिट्ठियों को निकालने संबंधी साहसिक वर्णन लिखिए।

उत्तर : चिट्ठियाँ सूखे कुएँ में गिर पड़ी थीं। कुएँ में साँप था। कुएँ में उतरकर चिट्ठियाँ लाना बड़ा ही साहस का कार्य था। लेखक ने इस चुनौती का स्वीकार किया। लेखक ने छः धोतियों को जोड़कर डंडा बाँधा और एक सिरे को कुएँ में डालकर उसके दूसरे सिरे को कुएँ के चारों ओर घुमाने के बाद गाँठ लगाकर अपने छोटे भाई को पकड़ा दिया। लेखक इसी धोती के सहारे कुएँ में उतरा। जब वह धरातल के चार–पाँच गज उपर था, उसने साँप को फन फैलाए देखा। वह कुछ हाथ ऊपर धोती पकड़े लटका रहा ताकि वह उसके आक्रमण से बच जाए। साँप को धोती पर लटककर मारना संभव नहीं था और डंडा चलाने के लिए पर्याप्त जगह नहीं थी। उसने डंडे से चिट्ठियों को खिसकाने का प्रयास किया कि साँप डंडे से चिपक गया। साँप का पिछला हिस्सा लेखक के हाथ को छू गया। लेखक ने डंडा फेंक दिया। डंडा लेखक की ओर खीच आने से साँप का आसन बदल गया और लेखक ने तुरंत लिफाफे और पोस्टकार्ड चुन लिए और उन्हें अपनी धोती के छोर में बाँध लिया।

2. लेखिका ने घायल गिल्लू को जीवनदान किस प्रकार दिया?

उत्तर : लेखिका घायल गिल्लू को उठाकर अपने कमरे में ले गई। रुई से उसका खून पोंछकर उसके घावों पर मरहम लगाया। उसकी भूख मिटाने के लिए रुई की बत्ती दूध में भिगोकर उसके मुँह पर लगाई गई। कई घंटे के उपचार के बाद वह उसके मुँह में पानी टपकाने में सफल हुई। इस तरह लेखिका के प्रयास से तीन दिन में वह स्वस्थ हो गया।

खंड - घ

[लेखन]

प्र. 10. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 80 से 100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए। [6]

'करत करत अभ्यास के, जड़मति होत सुजान।'

किसी विषय या कला में प्रवीणता प्राप्त करने का मूल-मंत्र अभ्यास है। अभ्यास द्वारा असंभव जान पड़ने वाले कार्य भी संभव हो जाते है। किसी लक्ष्य तक पहुँचना को अथवा विद्याध्ययन हो, सर्वत्र अभ्यास की आवश्यकता है। प्रतिभावान व्यक्ति भी यदि अभ्यास न करे तो वह आगे नहीं बढ़ सकता। एक विद्वान अथक अभ्यास परिश्रम से विद्वान बनता है। उसके पास कोई संजीवनी नहीं है कि वह बिना पढ़े लिखे ही विद्वान घोषित कर दिया जाता है। इसके पीछे उसका परिश्रम और अभ्यास ही है। अभ्यास के बल पर ही एकलव्य, तुलसीदास, वाल्मीकि और बोपदेव संस्कृत-प्राकृत के समर्थ वैयाकरण सिद्ध हुए। बोपदेव की कहानी प्रसिद्ध है। गुरु के आश्रम से वह निराश होकर जा रहे थे कि विद्या उसके भाग्य में नहीं है। मार्ग में उसने कुएँ के चारों ओर लगे पत्थरों पर रस्सियों के निशान देखे। बस, उन्हें यह समझ में आ गया कि बार-बार घीसने से अगर पत्थर पर निशान हो सकते है तो, बार-बार अभ्यास करने से सफलता अवश्य प्राप्त होगी। अतः इसलिए कहा गया है कि करत करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान।

रसरी आवत जात ते सिल पर परत निसान॥

समुद्र तट की सैर

मैं अपने परिवार के साथ चेन्नई घूमने गया। वहाँ पहुँचकर हम सभी शाम के समय समुद्र-तट की सैर पर निकले। इस समुद्र-तट की बात ही निराली है। चेन्नई में चारों ओर हरियाली ही हरियाली है। जब हम समुद्र-तट पर पहुँचे, तो सूर्यास्त होने वाला था। चारों ओर सुनहरी लालिमा फैली हुई थी। हल्की ठंडी हवा चल रही थी। समुद्र की लहरें उछल-उछलकर तट की ओर आतीं और उसे छूकर वापस चली जातीं। इतना मनोरम दृश्य देखकर मेरा मन प्रसन्नता से झूम उठा। हम सभी प्रकृति की सुषमा को निहार रहे थे। मैं भी उन उठती-गिरती लहरों के साथ खेलने लगा। वहीं मेरी बहन ने बहुत-से शंख और सीपियाँ इकट्ठे किए, सबने मिलकर नारियल पानी का आनंद लिया। समुद्र तट की यह सैर मेरे लिए जीवन भर के लिए यादगार बन गई।

प्र. 11. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 80-100 शब्दों में पत्र लेखन कीजिए। [5]

1. आप अपने घर से दूर में रहने आए है, अपनी माता को पत्र लिखकर छात्रावास के आपके अनुभव के बारे में लिखिए।

   रामदेवी छात्रालय

   सुभाष मार्ग

   नागपुर।

   दिनाँक: 22 फरवरी 20xx

   आदरणीय माताजी

   सादर प्रणाम।

   मैं यहाँ ठीक हूँ। आशा करती हूँ, आप सब वहाँ सकुशल होगे।

   आप सबको छोड़कर पहली बार अकेली रह रही हूँ। मुझे आप सभी की बहुत याद आती है। पहले दो-तीन दिन जरा भी मन नहीं लगा परंतु

अब बहुत-सी लड़कियाँ मेरी सहेलियाँ बन गई है। यहाँ के शिक्षक भी बहुत अच्छे है। कपड़े धोना, बिस्तर लगाना, सभी वस्तुएँ ठीक जगह पर रखना मैं सीख रही हूँ। मैं यहाँ मन लगाकर पढ़ रही हूँ।

पिताजी को मेरा प्रणाम और छोटी को प्यार देना।

तुम्हारी लाड़ली

मीना

2. आपकी कॉलोनी में कुछ असामाजिक तत्त्व (Antisocial elements) आकर बस गए हैं। उनकी गुंडागर्दी बढ़ने के कारण नागरिकों का जीवन कठिन हो गया। अपने शहर के पुलिस कमिश्नर को पत्र लिखकर उनकी शिकायत कीजिए तथा सुव्यवस्था के लिए शीघ्र कदम उठाए जाने की प्रार्थना कीजिए।

सेवा में,

पुलिस कमिशनर,

आजाद चौक,

चंडीगढ़

विषय : नगर में बढ़ते हुए असामाजिक तत्वों के विषय में शिकायती पत्र।

महोदय

मैं माणिकपुर, आजाद चौक का निवासी हूँ। इस पत्र द्वारा में आपका ध्यान हमारे क्षेत्र में बढ़ते हुए अपराध की ओर दिलाना चाहता हूँ। हमारे यहाँ पिछले कुछ दिनों से कुछ असामाजिक तत्व आ गये हैं जिसके कारण हमारे क्षेत्र में अपराध की घटनाएँ बढ़ गई है। हर आए दिन कहीं न कहीं से चोरी और लूटमार की घटना सुनाई पड़ती ही रहती है जिसके कारण घरों को अकेले छोड़ना मुश्किल हो गया है, हर समय किसी न किसी को घर में रहना ही पड़ता है। इतना ही नहीं नगर में नशीले

पदार्थों का विक्रय खुले आम हो रहा है। सड़कों और गलियों में बच्चों और महिलाओं का निकलना सुरक्षित नहीं रह गया है। बस-स्टॉप तथा चौराहे पर गुंडे किस्म के लोग छेड़-छाड़ करते पाए जाते हैं।

अतः आपसे अनुरोध है कि नगर की सुरक्षा को देखते हुए पुलिस की गश्त बढ़ाई जाए ताकि निवासी सुरक्षित महसूस कर सकें।

सधन्यवाद।

भवदीय

कमल शर्मा

2/42, सरला निवास,

आजाद चौक,

माणिकपुर,

चंडीगढ़

दिनाँक: 27 फरवरी 20xx

प्र. 12. निम्नलिखित चित्रों में से किसी एक चित्र का वर्णन 40 से 50 शब्दों में करें। [5]

1.

उपर्युक्त चित्र सहायता से संबंधित है। यहाँ पर चार अलग-अलग चित्र है। पहले में दो लोग मिलकर तीसरे की सहायता कर रहे हैं तो दूसरे चित्र में एक व्यक्ति धन देकर दूसरे की सहायता कर रहा है। तीसरे चित्र में व्यक्ति

दूसरे व्यक्ति को ऊपर चढ़ने में सहायता कर रहा है तो चौथे चित्र में एक व्यक्ति अपना छाता दूसरे को देकर बरसात में उसकी सहायता कर रहा है। इस चित्र में एक दूसरे की सहायता का पाठ पढ़ाया गया है। परोपकार एक सर्वश्रेष्ठ भावना है। परोपकार से तात्पर्य दूसरों की सहायता करने से है। हमें प्रकृति से परोपकार का संदेश लेना चाहिए। सूर्य, चंद्रमा, तारे, आकाश, वायु, अग्नि, जल, पृथ्वी, पेड़ आदि दिन-रात मनुष्य के कल्याण में लगे हुए हैं। ये सभी दूसरों के उपकार के लिए कुछ न कुछ देते हैं। सेवा या परोपकार की भावना चाहे देश के प्रति हो या किसी व्यक्ति के प्रति, वह मानवता है। परोपकार से ही ईश्वर प्राप्ति का मार्ग खुलता है। व्यक्ति जितना परोपकारी बनता है, उतना ही ईश्वर की समीपता प्राप्त करता है। परोपकार से मनुष्य जीवन की शोभा प्राप्त करता है। परोपकार से मनुष्य जीवन की शोभा और महिमा बढ़ती है। सच्चा परोपकारी सदा प्रसन्न रहता है। वह दूसरे का कार्य करके हर्ष की अनुभूति करता है।" दुनिया में शांति, अहिंसा, सहनशीलता, भाई चारे का संदेश फैलाना चाहिए। पेड़-पौधों, हरियाली, पर्यावरण की रक्षा करनी चाहिए है। सभी पशु-पक्षियों, जीव-जंतुओं के प्रति करूणा की भावना रखनी चाहिए। परोपकार की भावना से ही हम एक उत्तम राष्ट्र और विश्व का निर्माण कर सकते हैं।

2.

उपर्युक्त चित्र हमारे पंजाब प्रांत के प्रसिद्ध नृत्य भांगड़ा का है। इस चित्र में पुरुष और महिलाएँ दोनों नजर आ रहे हैं। पुरुष जहाँ वाद्य बजा रहे हैं वहीं महिलाएँ नृत्य करने में मग्न है। हमारे पूरे भारत वर्ष में हर-एक प्रांत का अपना एक विशेष नृत्य होता है। पंजाब प्रांत का प्रसिद्ध नृत्य भांगड़ा भी इसी श्रेणी में आता है। यह नृत्य वहाँ के लोग बैसाखी के समय फसल की कटाई के समय करते हैं। यह नृत्य फसल कटाई के उत्सव के रूप में मनाया जाता है। भांगड़ा नृत्य भारत ही नहीं विदेशों में भी काफी लोकप्रिय है। अब तो शादी-विवाह या कोई भी मांगलिक पर्व होने पर सभी लोग भांगड़ा नृत्य करना पसंद करते है।

प्र. 13. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 50-60 शब्दों में संवाद लिखें। [5]

1. फूल बेचनेवाला और एक बूढे व्यक्ति के बीच हो रहा संवाद लिखिए।

फूलवाला : क्या चाहिए दादाजी?

बूढ़ा व्यक्ति : मोगरे के फूल कैसे दिए?

फूलवाला : यह 25 रु. के है।

बूढ़ा व्यक्ति : इतने से! हमारे जमाने में तो 2रु. के इससे ज्यादा मिलते थे। अब 5रु. होगा।

फूलवाला : नहीं दादाजी आपका जमाना गया।

बूढ़ा व्यक्ति : हाँ मैं भी समझता हूँ, तभी तो 5 रु. बोल रहा हूँ।

फूलवाला : नहीं 25 रु. ही है। महंगाई बढ़ गई है।

बूढ़ा व्यक्ति : अच्छा। क्या करे दे दो।

फूलवाला : और कुछ?

बूढ़ा व्यक्ति : नहीं बाबा इतनी महंगाई में एक ही बस है।

2. पिता और पुत्र के बीच वार्तालाप को लिखिए।

अमर : पिता जी, मुझे अपने दोस्तों के साथ फिल्म देखने जाना है।

पिता : नहीं राहुल, तुम अपने दोस्तों के साथ रहकर घुमक्कड़ होते जा रहे हो। तुमने पढ़ना लिखना तो बिलकुल ही छोड़ दिया है।

अमर : नहीं पिता जी, अब मैं खूब पढ़ूँगा, वादा करता हूँ।

पिता : बेटे ऐसे वादे तो रोज करते हो।

अमर : पर इस बार मैं पक्का वादा करता हूँ कि आपको 80% से ज्यादा अंक ला कर दिखाऊँगा।

पिता : और अगर नहीं लाए तो........!

अमर : फिर आप जैसा कहेंगे, मैं वैसा ही करूँगा।

पिता : ठीक है। तुम्हें यह आखिरी अवसर देता हूँ।

प्र. 14. निम्नलिखित विज्ञापनों में से किसी एक विज्ञापन का आलेख 50 शब्दों में तैयार कीजिए। [5]

1. स्थानीय हिन्दी मासिक पत्रिका के विज्ञापन का प्रारुप (नमूना) तैयार कीजिए :

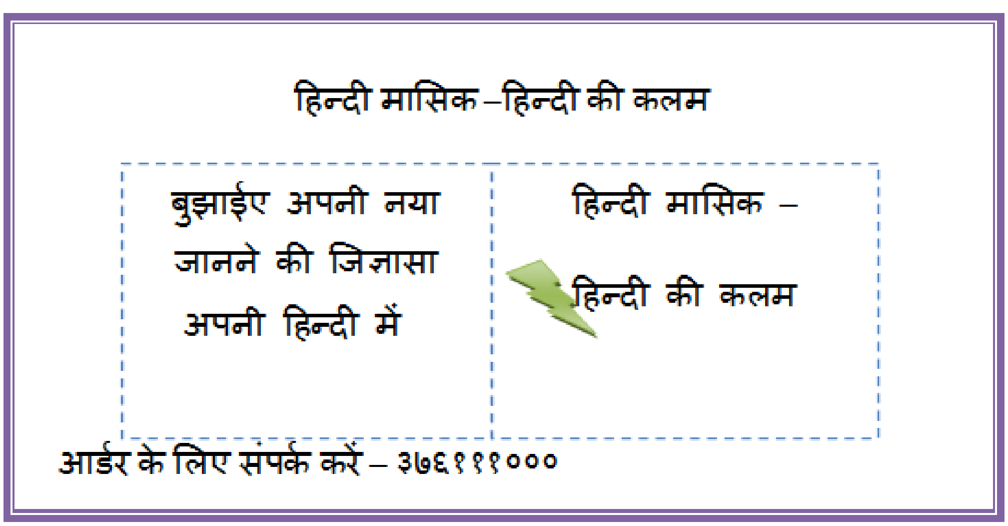

2. घी के विज्ञापन का प्रारुप (नमूना) तैयार कीजिए:

सरस घी

रखिए अच्छी सेहत की नींव,

खाईए सरस घी